>

Title: Need to address the problems being faced by the Haj Pilgrims in the country.

डॉ. शफ़ीकुर्रहमान बर्क़ (सम्भल): उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बहुत ही जरूरी मसले को उठाना चाहता हूं। सरकार का ध्यान हज से मुतालिक बढ़ रही परेशानियों की तरफ दिलाना चाहता हूं। मुसलमानों पर हज फर्ज़ है, हज में आने वाली परेशानियों से हिन्दुस्तानी मुसलमान बहुत बेचैनी महसूस कर रहे हैं, जो नाकाबिले बर्दाश्त है। हज पर जो टैक्स लगाया जा रहा है, वह शरियत के खिलाफ है, जब कि दूसरे धर्मों के मज़हबी कामों पर ऐसा कोई टैक्स नहीं है। इसलिए इसे खत्म किया जाए। दूसरे मुसलमानों पर एक बार से ज्यादा हज जाने पर पाबन्दी लगाई जा रही है, वह भी नाकाबिले कबूल है, चूंकि शरयई एतबार से कोई औरत बगैर मेहरम के हज नहीं कर सकती। बीबी बगैर शौहर के, बेटी बगैर बाप के और बहन बगैर भाई के अकेली हज को नहीं जा सकती। इसलिए यह पाबन्दी शरयई एतबार से गलत है, इसे भी फोरन खत्म किया जाए।

20.00 hrs.

तीसरे, इण्टरनेशनल पासपोर्ट बनवाने में हज के टाइम बेहद परेशानी और फिज़ूलखर्ची होती है, लेकिन फिर भी पासपोर्ट वक्त पर नहीं मिल पाता, जिसकी वजह से हाजी साहेबान को परेशानियों का सामना करना पड़ता है और इसी वजह से बहुत से हाजी साहेबान हज पर नहीं जा पाते।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: कृपया संक्षेप में बोलें।

डॉ. शफ़ीकुर्रहमान बर्क़ : बस मेरी बात खत्म हो रही है। लिहाजा इसका वाहिद हल यही है कि पासपोर्ट बनवाने की जिम्मेदारी हज कमेटी को दी जाये और हज फॉर्म जमा करते वक्त पासपोर्ट की पूरी फीस नकद जमा करा ली जाये।

उपाध्यक्ष महोदय: संक्षेप में बोलिये, बहुत देर हो गई है।

डॉ. शफ़ीकुर्रहमान बर्क़ : पहले हज कमेटी टैम्पोरेरी पासपोर्ट बनवाकर देती थी, जिससे हाजियों को कोई परेशानी नहीं होती थी, लिहाज़ा मेरी सैण्ट्रल गवर्नमेंट से पुरजोर मांग है कि इन तीनों बातों पर सरकार संजीदगी से अमल करे और फौरन इस सिलसिले में ऑर्डर जारी करने की मेहरबानी करे।

उपाध्यक्ष महोदय:

श्री पोन्नम प्रभाकर और

श्री गुथा सुखेन्द्र रेड्डी को डॉ. शफ़ीकुर्रहमान बर्क़ के साथ सम्बद्ध होने की अनुमति दी जाती है।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: सदन का थोड़ा समय हम और बढ़ा दें, क्योंकि, सदन का समय खत्म हो रहा है।

जब तक समय खत्म नहीं होगा, तब तक सदन का समय बढ़ाया जाता है। केवल 7-8 लोग और बोलने वाले हैं, ज्यादा नहीं हैं।

डॉ. संजय सिंह, संक्षेप में बोलिये, ज्यादा मत बोलिएगा।